गीता का ज्ञान | By Lakhbir Singh Lakha |

कुरुक्षेत्र में अर्जुन के कदम डगमगा गए

और आंखों के आगे मोह के बादल से छा गए

क्योंकि वीरों के वीर शिरोमणि सरदार खड़े थे

गुरु द्रोण दादा भीष्म कृपाचार्य खड़े थे

लड़ने के लिए सब कोई तैयार खड़े थे

पर रणभूमि में तो अपने परिवार खड़े थे

इन सब को देख अर्जुन का दिल दहल गया

फिर हाय उसके मुंह से उस दम निकल गया

इन गुरुजनों पर कैसे मे वार करूंगा

किस-किस का समर भूमि में संहार करूंगा

कांधे से तीर कर्कश गांड़ीव छोड़कर

कहने लगा मोहन से वह हाथ जोड़कर

प्रभु यह राज पाठ वैभव मुझको ना चाहिए

इस कुल कलंक से प्रभु मुझको बचाइए

यह जर जमीन सुगरण मुझको ना चाहिए

जो कुल का नाश कर दे वह धन ना चाहिए

रणभूमि में अर्जुन का विचलित हुआ जब मन

यह देख धनंजय से बोले यूं मधुसूदन

बोले श्री कृष्ण अर्जुन से ए पारथ सुनो

मोह में मन फसाना नहीं चाहिए

वीर हो करके तुमको समर भूमि में

पांव पीछे हटाना नहीं चाहिए

बोले श्री कृष्ण अर्जुन से.....

लौट जाओगे जो तुम समर भूमि से

सारी दुनिया हंसेगी तेरे नाम पर

वीर पांडु के कुल वंश में तो तुम्हें

दाग हरगिस लगाना नहीं चाहिए

बोले श्री कृष्ण अर्जुन से.....

वीर माता से पाया है तुमने जन्म

तू उसी माता कुंती का रख ले भरम

पीठ पीछे दिखाकर समर भूमि में

दूध मां का लगाना नहीं चाहिए

बोले श्री कृष्ण अर्जुन से.....

जिसको कहता है तू मेरा परिवार

वह सभी तुम से लड़ने को तैयार हैं

मोह माया में पढ़ कर कभी भी तुम्हें

अपने मन को डि गाना नहीं चाहिए

बोले श्री कृष्ण अर्जुन से.....

जीत कर जग में सम्राट कहलायेगा

मर गया रण में तो स्वर्ग में जाएगा

नाम होगा अमर तेरा संसार में

ऐसा मौका गवाना नहीं चाहिए

बोले श्री कृष्ण अर्जुन से.....

साथ जब तक हूं मैं तू हार सकता नहीं

कोई रन में तुम्हें मार सकता नहीं

क्योंकि सारे संसार का कर्ताधर्ता हूं मैं

के तुम्हें भूल जाना नहीं चाहिए

बोले श्री कृष्ण अर्जुन से.....

मैं ही धरती गगन में ही पाताल हूं

मुझको पहचान में ही महाकाल हूं

सभी कर्मों का फल देने वाला हूं मैं

शक्ति को आजमाना नहीं चाहिए

बोले श्री कृष्ण अर्जुन से.....

वीरों की पूजा होती है संसार में

कायरों को कोई मान देता नहीं

ए अर्जुन मेरे अर्जुन तू खुद ही समझदार है

तुमको कायर कहाना नहीं चाहिए

बोले श्री कृष्ण अर्जुन से.....

कर्म कर कर्म शर्मा ही प्रधान है

कर्म ही लक्ष्मी और कर्म ही भगवान है

कर्महीनो को कुछ जग में मिलता नहीं

कर्म से मुंह चुराना नहीं चाहिए

बोले श्री कृष्ण अर्जुन से.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%97%e0%a5%80%e0%a4%a4%e0%a4%be-%e0%a4%95%e0%a4%be-%e0%a4%9c%e0%a5%8d%e0%a4%9e%e0%a4%be%e0%a4%a8-by-lakhbir-singh-lakha/